मुख्य बातें

1. 'भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां', यह प्रकाशन जिसमें क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों सहित अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के ₹ 1,00,805 कार्यालय शामिल हैं, 31 मार्च 2012 को बीएसआर 1 और 2 के सर्वेक्षण के जरिए संग्रहित डाटा पर आधारित है । सर्वेक्षण की मुख्य बातें निम्नानुसार हैं :-

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का बकाया ऋण :

2. सकल बकाया ऋण की वृद्धि :

- मार्च 2012 के अंत में अनुसूचित वाणिज्य बैंको के सकल बकाया ऋण के पूर्ववर्ती वर्ष (सारणी सं. 1.3) में 21.8 प्रतिशत वृध्दि के तहत 17.9 प्रतिशत वृद्धि की कुल राशि ₹ 48,032,669 मिलियन दर्ज करायी गयी । (सारणी सं. 1.3)
- उधार खातों की संख्या वर्ष 2011 में 121 मिलियन थी 8.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2012[1] में 131 मिलियन हो गयी है। (सारणी सं. 1.3)

चार्ट 1 : अनुसूचित वाणिज्य बैंको का बकाया ऋण 1992 से 2012 तक

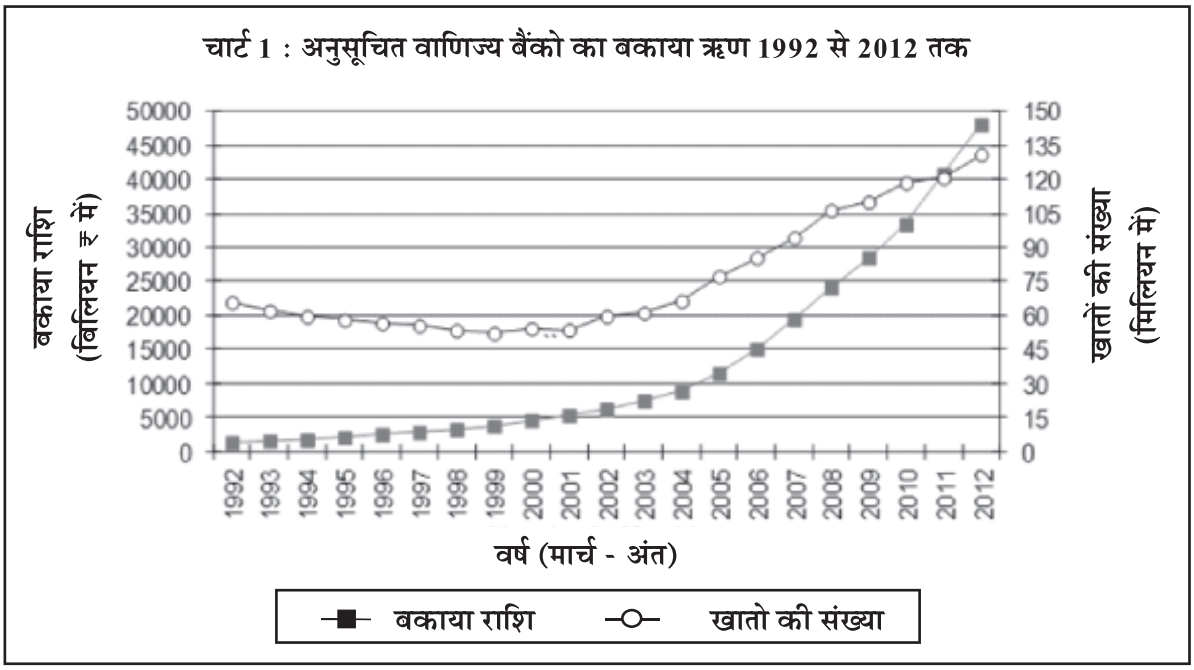

3. ऋण का जनसंख्या समूह - वार वितरण :

- पिछले वर्ष की 18.7 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 2012 में सकल बैंक ऋण में ग्रामीण केंद्रों ने 28.6 प्रतिशत इतनी अत्याधिक वृद्धि दर्ज की । अर्धशहरी केंद्रों में 2011 के 19.3 प्रतिशत से 2012 में 20.5 प्रतिशत ऋण की वृद्धि हुई । शहरी और महानगरी केन्द्रो में ऋण की वृद्धि क्रमश: 14.3 और 17.2 प्रति शत दर्ज की गयी जो पिछले वर्ष की प्रत्येकी 22.4 प्रतिशत की वृद्धि स कम है । (सारणी सं. 1.3)

---

[1] 2011 तथा 2012 की अवधि के संदर्भ का अर्थ क्रमश: मार्च 2011 और मार्च 2012 की अंतिम स्थिती लिया गया है । भारतमें अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां, खंड 40, मार्च 2011 में अंतिम मार्च 2011 के विस्तृत आंकडे उपलब्ध होंगे ।

- ग्रामीण शाखाओं में 2012 में सकल बैंक ऋण में वृद्धि, जो खाद्यान्न खरीद के लिए कुछ बड़े ऋण खातों के महानगरीय से ग्रामीण शाखाओं में अंतरण का प्रभाव था । ग्रामीण केन्द्रोंमें बैंक ऋण में वृद्धि, खाद्यान्न खरीद के ऋण को छोड कर 22.1 प्रतिशत थी (सारणी सं. 1.3) । अर्धशहरी, शहरी और महानगरीय केन्द्रोंमें खाद्यान्न खरीद ऋण को छोडकर, ग्रामीण कन्द्रोंके बैंक ऋण की वृद्धि 22.1 थी (सारणी सं. 1.3)। खाद्यान्न खरीद के ऋण को छोड कर ऋण की वृद्धि, अर्धशहरी, शहरी और महानगरीय केन्द्रोंमें क्रमश: 21.0, 15.4 और 17.3 प्रतिशत थी ।

- खाद्यान्न खरीद ऋण को छोडकर 2011-12 में वृद्धिशील ऋण[2] में शहरी और महानगरी केन्द्रो के शेयर पिछले वर्ष के क्रमश: 17.4 और 68.3 की तुलना में क्रमश: 14.7 और 65.5 पर न्यूनतम थे । ग्रामीण और अर्धशहरी केन्द्रो के शेयर में जो 2011-12 में ग्रामीण और अर्धशहरी केन्द्रो में 8.7 और 11.2 प्रतिशत उच्चतर ऋण की कुल खरीद दर्शाती है 2010-11 में क्रमश: वृद्धि 6.0 और 8.3 प्रतिशत हुई थी ।

4. ऋण का बैंक समूह - वार वितरण :

- कुल बैंक ऋण में राष्ट्रीयकृत बैंकों के शेयर में 2011 में 53.0 प्रतिशत से 2012 में 52.4 की न्यूनतम कमी आयी । निजी क्षेत्र के बैंकों के शेयर में 2011 में 17.8 प्रतिशत की तुलना में 2012 में 18.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई । अन्य बैंक समूहों के शेयर लगभग अपरिवर्तित रहे । (सारणी सं. 1.4)

- निजी क्षेत्र के बैंकों ने 22.1 प्रतिशत उच्चतर ऋण वृद्धि दर्ज की, उसक अनुसरण में विदेशी बैंक (19.6 प्रतिशत), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (18.6 प्रतिशत) भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगी (17.3 प्रतिशत) और राष्ट्रीयकृत बैंक ने (16.5 प्रतिशत) वृद्धि दर्ज की । वर्ष 2011 की तुलना में सभी बैंक समूह की ऋण वृद्धि में घट आयी है (भारतीय स्टेट बैंक और सहयोगी तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को छोडकर)

- राष्ट्रीयकृत बैंकों के शेयर में वर्ष 2011-12 में वृद्धिशील ऋण में वर्ष 2010-11 के 57.8 प्रतिशत की तुलना में कम होकर 48.8 प्रतिशत हो गए । वृद्धिशील ऋण में अन्य बैंक समूह के शेयर उदा. निजी क्षेत्र के बैंक (22.1 प्रतिशत) भारतीय स्टेट बैंक और सहयोगी (21.2 प्रतिशत) विदेशी बैंक (5.4 प्रतिशत), और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (2.5 प्रतिशत) वर्ष 2010-11 में उनके अपने अपने शेयर से उच्चतर थे ।

5. बैंक ऋण का क्षेत्रवार (व्यवसाय के अनुसार) उपयोग :

- सकल बैंक ऋण में कृषि और औद्योगिक क्षेत्र के शेयर में वर्ष 2011 के क्रमश: 11.3 और 39.6 प्रतिशत से 11.7 और 40.4 प्रतिशत न्यूनतम वृद्धि हुई । (सारणी 1.11और चार्ट – 2)

- 'आवास ऋण' और 'अन्य व्यक्तिगत ऋण' के शेयर्स वर्ष 2011 के क्रमश: 8.5 और 8.0 प्रतिशत से 7.9 और 7.7 प्रतिशत तक घट गये । 'व्यावसायिक और अन्य सेवाओं' के शेयर्स भी वर्ष 2011 के 9.0 प्रतिशत से 7.6 प्रतिशत तक घट गये ।

- व्यापार क्षेत्र के ऋण के शेयर्स में वर्ष 2011 के 8.2 प्रतिशत से वर्ष 2012 में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

चार्ट 2 : सकल बैंक ऋण के क्षेत्रीय वितरण

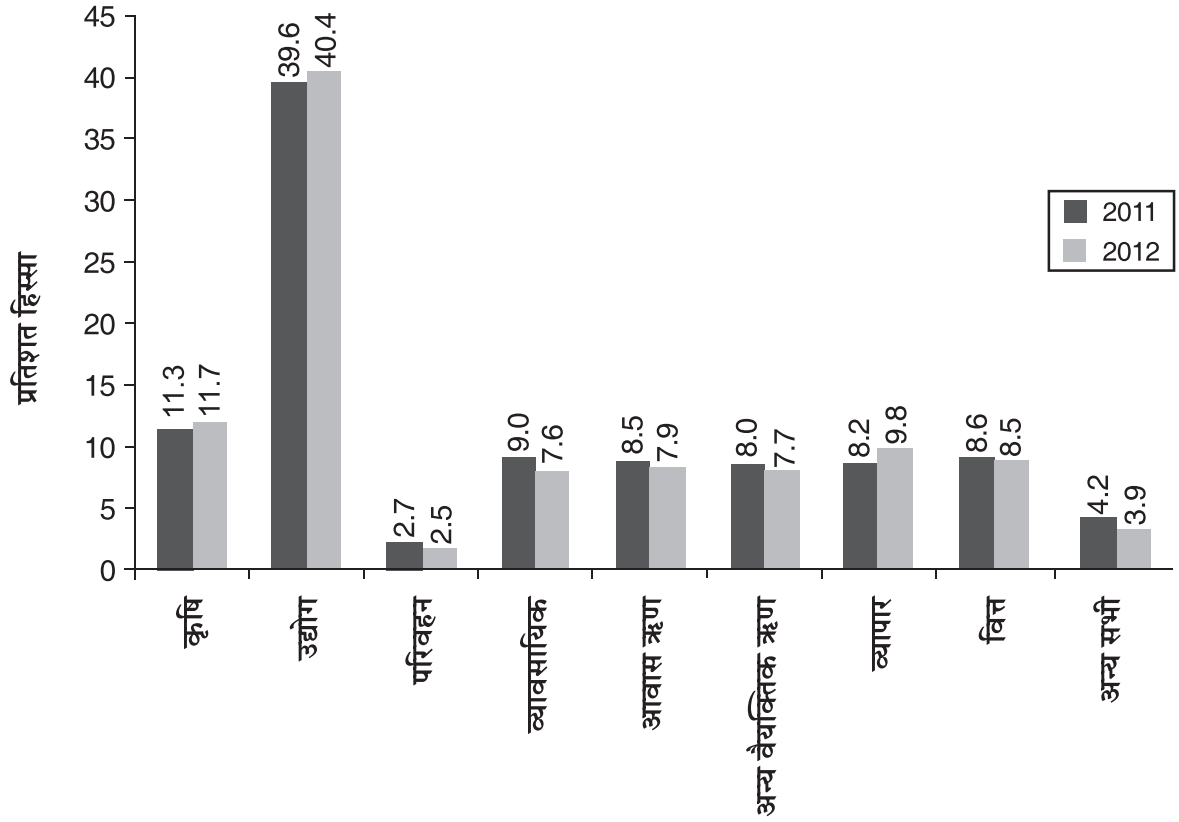

6. क्षेत्रीय (व्यवसाय - वार) ऋण वृद्धि :

- कृषि क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र के बैंक ऋण की वृद्धि दर वर्ष 2011 में क्रमश: 18.1 और 18.9 प्रतिशत से वर्ष 2012 में क्रमश: 21.9 और 20.9 और 20.5 प्रतिशत हुई । (सारणी सं 1.9)

- व्यापार क्षेत्र के ऋण में 40.6 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गयी जो इस क्षेत्र के पूर्ववर्ती वर्ष के (9.1 प्रतिशत) ऋण वृद्धि से महत्वपूर्ण रूप से उच्चतर थी ।

- पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वर्ष 2012 में अन्य सभी क्षेत्र निम्नतर ऋण वृद्धि के लिए गवाह है । परिवहन परिचालक के ऋण में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है (वर्ष 2011 में 28.7 प्रतिशत) । 'आवास ऋण' और 'अन्य व्यक्तिगत ऋण' वर्ष 2011 के क्रमश: 12.9 और 28.4 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2012 में क्रमश: 9.5 और 14.6 प्रतिशत तक बढे हैं । वित्तीय क्षेत्र के ऋण में, पूर्ववर्ती वर्ष के 44.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2012 में 16.5 प्रतिशत वृद्धि घटी है । 'व्यावसायिक और अन्य सेवाएँ' क्षेत्र के ऋण वर्ष 2011 में प्रतिशत वृद्धि के बदले वर्ष 2012 में न्यूनतम घट के गवाह रहे ।

7. वृद्धिशील बैंक ऋण में क्षेत्रीय (व्यवसाय वार) शेयर :

- कृषि क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र के शेयर में वृद्धिशील ऋण वर्ष 2010 - 2011 में क्रमश: 9.7 और 35.2 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2011-2012 में बढ़कर क्रमश: 13.9 और 45.3 प्रतिशत हो गया ।

- व्यापार क्षेत्र ने वर्ष 2010-11 के 3.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2011-12 में 18.6 प्रतिशत वृद्धिशील ऋण अंतर्लीन किया है ।

- वर्ष 2010-11 की तुलना में 2011-12 में अन्य सभी क्षेत्रों के शेयर में वृद्धिशील ऋण में घट हुई है । "आवास ऋण" और अन्य व्यक्तिगत ऋणों के शेयर्स वर्ष 2010-11 में क्रमश: 5.4 और 9.8 प्रतिशत से 4.5 और 6.5 हो गए हैं । 'परिवहन चालक' और 'वित्तीय क्षेत्र' के ऋण का शेयर 2010-11 के क्रमश: 3.4 और 14.7 प्रतिशत की तुलना में 2011-12 में कम होकर 1.0 और 8.0 प्रतिशत हो गया ।

8. बैंक ऋण का आकार वार वितरण :

- वर्ष 2011 में 84.6 प्रतिशत क तहत उधार खातों की कुल संख्या में से लघू उधार खातों की संख्या ने (₹ 0.2 मिलियन की ऋण सीमा के साथ) 83.4 प्रतिशत का योगदान दिया जब कि वर्ष 2011 में 9.4 की तुलना में लघू उधार खातों के बकाया ऋण का शेयर 9.5 था । (सारणी सं. 1.12)

- प्रत्येकी ₹ 250 मिलियन से अधिक ऋण सीमा के खातों में पूर्ववर्ती वर्ष के 47.3 की तुलना में वर्ष 2012 में कुल बकाया ऋण का शेयर 48.4 प्रतिशत था ।

9. बैंक ऋण पर ब्याज दर:

- ब्याज दर स्तरों के अनुसार बकाया ऋण का वितरण (₹ 0.2 मिलियन से अधिक की ऋण सीमा के साथ प्रत्येक खाते के लिए उपलब्ध) वर्ष 2012 में उच्चतर दरों में प्रकट हुआ । 10.0 प्रतिशत से कम ब्याज दर स्तर के लिए पूर्ववर्ती वर्ष में ऋण का समानुपात 27.9 था वह कम होकर 10.5 प्रतिशत हो गया । दूसरी तरफ ''14.0 प्रतिशत और अधिक'' ब्याज दर सहित ऋण का समानुपात, जिसमे 15.1 प्रतिशत से 30.3 प्रतिशत वृद्धि हुई है और ''10.0 प्रतिशत और अधिक किन्तु 14.0 प्रतिशत से नीचे'' ब्याज दर सीमा के लिए समानुपात में पूर्ववर्ती वर्ष के 57 प्रतिशत से 59.3 प्रतिशत वृद्धि हुई । (सारणी सं. 1.13)

- ₹ 0.2 मिलियन से अधिक की ऋण सीमासहित सभी ऋणों और अग्रिमों से संबंधित भारित औसत ब्याज दर पिछले वर्ष 11.44 प्रतिशत की तुलना मे मार्च 2012 के अंत तक 12.57 प्रतिशत होगा ।

समग्र जमाराशियां :-

10. समग्र जमाराशियों में वृद्धि :

- समग्र जमाराशियों की कुल राशि ₹ 60,782,433 मिलियन, पूर्ववर्ती वर्ष में 18.2 प्रतिशत के तहत वर्ष 2012 में 12.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की (सारणी सं. 1.18) । बचत जमा राशियां पूर्ववर्ती वर्ष की 19.2 प्रतिशत की तुलना में न्यूनतम दर पर 9.5 प्रतिशत बढी । वैसे ही चालू जमाराशियों ने वर्ष 2011 में 20.7 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 2.7 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गयी । सावधि जमाराशियों में वर्ष 2011 के 17.2 प्रतिशत से 17.4 प्रतिशत वृद्धि हो गयी ।

- जमा राशि खातों की संख्या वर्ष 2011 के तकरीबन 810 मिलियन से वर्ष 2012 में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि द्वारा 903

मिलियन हो गयी । बचत बैंक खातों की कुल संख्या वर्ष 2011 के 624 मिलियन की तुलना में वर्ष 2012 में

7 0 3

मिलियन थी ।

11. जमाराशियों का बैंक समूह - वार वितरण :

- समग्र बैंक जमाराशियों में राष्ट्रीयकृत बैंकों का शेयर, वर्ष 2011 में 53.2 प्रतिशत से वर्ष 2012 में 52.8 प्रतिशत कम हो गया । भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगीयों का शेयर वर्ष 2011 में 21.4 प्रतिशत से वर्ष 2012 में 21.7 प्रतिशत हो गया ।

- राष्ट्रीयकृत बैंकों की जमाराशियों ने 12.0 प्रतिशत वृद्धि दर्शायी जो पूर्ववर्ती वर्ष के 21.1 प्रतिशत वृद्धिसे कम थी । वैसे ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंर और निजी क्षेत्र के बैंको की जमा राशियों ने न्यूनतम वृद्धि दर क्रमश: 10.9 और 12.9 प्रतिशत दर्ज किये गये (वर्ष 2011 में क्रमश: 15.3 और 20.5 प्रतिशत) । भारतीय स्टेट बैंक और सहयोगीयों ने उच्चतर जमाराशि वृद्धि 14.4 प्रतिशत दर्ज की (वर्ष 2011 में 13.3 प्रतिशत) वैसे ही, विदेशी बैंकों की जमा राशियों की 15.3 प्रतिशत पर वृद्धि हुई, जो पूर्ववर्ती वर्ष के वृद्धि आंकडे 2.9 प्रतिशत से उच्चतर थी ।

12. जमाराशियों के प्रकार :

- कुल जमाराशियों में सावधि जमाराशियों के शेयर में वर्ष 2011 में 60.4 प्रतिशत से वर्ष 2012 में 62.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई । चालू जमा राशिया और बचत जमाराशियों के शेयर्स वर्ष 2011 के 12.4 और 27.2 प्रतिशत से वर्ष 2012 में क्रमश: 10.7 और 26.4 प्रतिशत घट गये । (सारणी सं. 1.18)

13. सावधि जमाराशियों की परिपक्वता पद्धति :-

- कुल सावधि जमाराशियों में मूल परिपक्वता अवधि के 5 वर्ष और उससे अधिक सहित सावधि जमाराशियों के शेयर में वर्ष 2011 में 8.8 प्रतिशत से वर्ष 2012 में 9.3 प्रतिशत से वृद्धि हुई है । साथ ही, 1 वर्ष और 2 वर्ष से कम वर्ष की परिपक्वता सहित जमाराशियां 45.7 प्रतिशत शेयर में वृद्धि की गवाह है (वर्ष 2011 में 40.8 प्रतिशत से) (सारणी सं. 1.24)

- '2 वर्ष और 3 वर्ष से कम' और '3 वर्ष और 5 वर्ष से कम' परिपक्वता अवधि सहित जमा राशियां क्रमश: 9.4 प्रतिशत (वर्ष 2011 में 11.0 प्रतिशत से) घट की गवाह है ।

- उक्त परिपक्वता अवधि में परिवर्तन वर्ष 2011-12 में बैंकों की प्रचलित जमा ब्याज दर ढांचे सहित आगे पीछे है ।

14. सावधि जमा राशियों का ब्याज दर :-

- सावधि जमा राशियों का भारित औसर ब्याज दर वर्ष 2011 में 8.29 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2012 में 9.19 प्रतिशत था । (सारणी सं. 1.28)

- उच्चतर ब्याज दरों के प्रति सावधि जमा राशियों के वितरण में परिवर्तन का अवलोकन किया है । कुल सावधि जमाराशियों मे 9.0 प्रतिशत कम ब्याज दर सावधि जमाराशियों का शेयर, पूर्ववर्ती वर्ष में 57.3 प्रतिशत से वर्ष 2012 में 21.1 प्रतिशत तक घट गये । साथ ही, ब्याज दर 9.00 प्रतिशत और उससे अधिक के ब्याज दर स्तर 9.0-10.0 प्रतिशत में 53.0 प्रतिशत के उच्चतर स्तर सहित (वर्ष 2011 में 42.8 प्रतिशत की तुलना में) 78.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई । (सारणी सं. 1.28 और चार्ट 3)

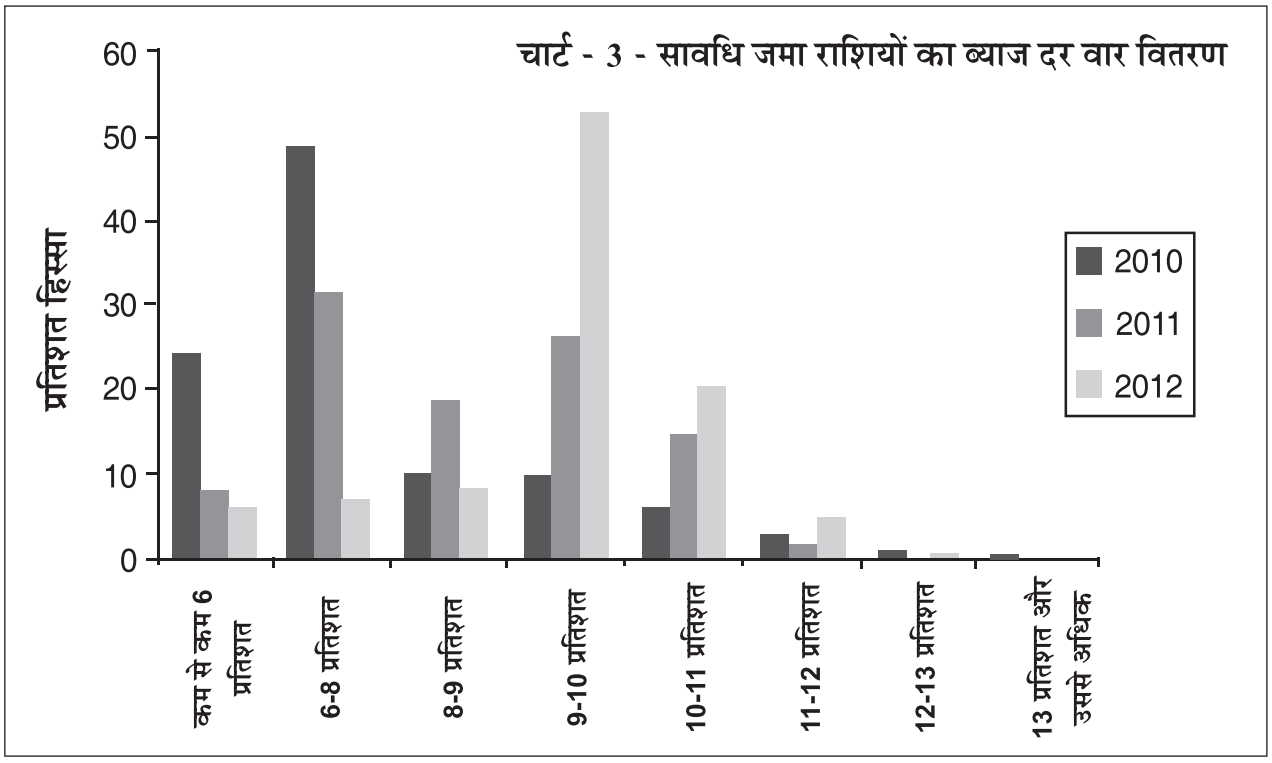

ऋण जमा अनुपात

(ऋण की स्वीकृति और उपयोगिता के स्थान के अनुसार)

15. जनसंख्या समूहवार सी - डी अनुपात :-

- अखिल भारतीय सीडी अनुपात वर्ष 2011 में 75.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2012 में 79.0 प्रतिशत था ।

- ऋण की स्वीकृती के स्थान के अनुसार ग्रामीण केंद्रों से संबंधित सी-डी अनुपात पूर्ववर्ती वर्ष में 60.0 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2012 के अंत में 66.4 प्रतिशत था । अर्धशहरी, शहरी और महानगरीय केंद्रों के मामले में सीडी अनुपात (स्थान की स्वीकृती के अनुसार) पूर्ववर्ती वर्ष के क्रमश: 53.2, 61.6 और 88.4 प्रतिशत की तुलना में क्रमश: 54.6, 61.4 और 93.8 प्रतिशत थे ।

- ऋण की उपयोगिता के स्थान के अनुसार ग्रामीण, अर्धशहरी, शहरी और महानगरीय केन्द्रोंका सी डी अनुपात क्रमश: 77.1, 62.7, 67.2, 87.8 प्रतिशत था जो पूर्व वर्ष में 79.6, 63.1, 70.2 और 79.9 प्रतिशत था । (सारणी सं. 1.6)

16. बैंक समूहवार सी-डी अनुपात :-

- भारतीय स्टेट बैंक और सहयोगियों का सी डी अनुपात पूर्ववर्ती वर्ष के 77.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2012 म 79.3 प्रतिशत हो गया था जब की राष्ट्रीयकृत बैंकों का 78.4 प्रतिशत था (वर्ष 2011 में 75.4 प्रतिशत की तुलना में)

- विदेशी बैंकों (88.1 प्रतिशत) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (64.1 प्रतिशत) और निजी क्षेत्र के बैंको (80.8 प्रतिशत) के सी डी अनुपात 2012 में पूर्ववर्ती वर्ष के स्तरसे (क्रमश: 85.0, 59.9, और 74.7 प्रतिशत) बढ गया ।

17. राज्यों के बीच ऋण का अंतरण :-

- राज्यों के बीच ऋण के अंतरण का विश्लेषण, ऋण के स्वीकृति स्थान और उपयोगिता स्थान के अनुसार परिकलित ऋण जमा अनुपात के माध्यम से किया गया है । यह देखा गया है कि स्वीकृती के स्थान (सारणी 1.7 और चार्ट 4) से उपयोगिता के स्थान के अनुसार हरयाणा, सिक्कीम, नागालैंड, दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव में उल्लेखनीय उच्चतर सी डी अनुपात था । (सारणी 1.7 और चार्ट 4)

- हरयाणा, पंजाब, राजस्थान, चंडिगड, दिल्ली, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तामिलनाडु के सी डी अनुपात अखिल भारतीय सी डी अनुपात (79 प्रतिशत की) तुलना में उच्चतर सी डी अनुपात थे ।

- चंडिगड, आंध्र प्रदेश और तामिलनाडु ने 100 प्रतिशत से अधिक सी डी अनुपात दर्ज कर दिया है ।

****

चार्ट - 4 - राज्यवार ऋण जमाराशि अनुपात